श्रीसनातनधर्म प्रतिनिधि सभा(पंजी.)द्वारा अनुमोदित पंचांग का ही अनुसरण करें।

संवत 2083 | 8 | शाके 1948

||श्रीहरि:||

आषाढ़ कृष्ण पक्ष

30 जून से 14 जुलाई 2026

ऋतु वर्षा, सूर्य दक्षिणायन

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	30.06.26	05.31	19.18
अष्टमी	08.07.26	05.34	19.17
अमावस्या	14.07.26	05.37	19.16

तिथि	वार	नक्षत्र	जून	चन्द्र	व्रत - पर्व - त्योहार
प्रतिपदा अहो	मंगल	पू.षा. अहो	30	धनु	–
प्रतिपदा 07.38	बुध	पू.षा. 06.50	जुलाई 01	मकर 13.29	प्रतिपदा वृद्धि
द्वितीया 09.37	गुरु	उ.षा. 09.26	02	मकर	–
तृतीया 11.20	शुक्र	श्रवण 11.46	03	कुम्भ 24.44	गणेश चतुर्थी (21.49), ससियो 05.32–11.45 भद्रा प्रात: से 11.28 तक, पंचक प्रारम्भ 24.44
चतुर्थी 12.39	शनि	धनि 13.43	04	कुम्भ	पंचक
पंचमी 13.30	रवि	शतभि 15.12	05	कुम्भ	पंचक
षष्ठी 13.47	सोम	पू.भा. 16.07	06	मीन 09.53	भद्रा 13.47–25.35, पंचक
सप्तमी 13.24	मंगल	उ.भा. 16.23	07	मीन	कालाष्टमी, ससियो 05.34–16.23, पंचक
अष्टमी 12.21	बुध	रेवती 15.59	08	मेष 15.59	पंचक समाप्त 15.59
नवमी 10.37	गुरु	अश्वि 14.55	09	मेष	ससियो 05.35–14.55
दशमी 08.16	शुक्र	भरणी 13.14	10	वृष 18.41	योगिनी एकादशी (स्मार्त), भद्रा 08.16 तक
एका० 29.22	शुक्र				एकादशी क्षय
द्वादशी 26.04	शनि	कृति 11.03	11	वृष	योगिनी एकादशी(वैष्णव), ससियो 11.03–29.37
त्रयो० 22.29	रवि	रोहि 08.28	12	मिथुन 19.04	प्रदोष, मासशिवरात्रि
चतुर्द० 18.49	सोम	मृगशिरा 05.41 आर्द्रा 26.51	13	मिथुन	अ+ससियो 05.37–05.41, भद्रा 08.39 तक
अमा० 15.13	मंगल	पुनर्व 24.09	14	कर्क 18.50	अमावस्या

चतु:श्लोकी भागवतम्

अहमेवासमेवाग्रे नान्यद्यत्सदसत्परम्। पश्चादहं यदेतच्च योऽवशिष्येत सोऽस्म्यहम् ।।1।।
ऋतेऽर्थं यत् प्रतीयेत न प्रतीयेत चात्मनि। तद्विद्यादात्मनो मायां यथाऽऽभासो यथा तम: ।।2।।
यथा महान्ति भूतानि भूतेषूच्चावचेष्वनु। प्रविष्टान्यप्रविष्टानि तथा तेषु न तेष्वहम् ।।3।।
एतावदेव जिज्ञास्यं तत्वजिज्ञासुनाऽऽत्मन:। अन्वयव्यतिरेकाभ्यां यत् स्यात् सर्वत्र सर्वदा ।।4।।

धार्मिक आस्था और पर्यावरण के रक्षक बनें

हम सभी सनातनी लोग
धार्मिक देवी देवताओं की मूर्तियां, तस्वीरें, कैलेंडर आदि
इधर उधर नहीं रखेंगे-
अपने नजदीकी मंदिरों में या
कलेक्शन सेंटरों में ही जमा करायेंगे।

* धार्मिक आस्था एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाएंगे। *

मंदिर हमारी आस्था का केंद्र है,
उसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

धार्मिक आस्था का रखें मान,
स्वच्छ पर्यावरण - यही पहचान।